Prof Randhir Kr Singh
Asso Prof.
Dept of Sociology.
Patna College. P.U

B.A. Part — I
Paper — I
M — 9546991571

TOPIC —— Variability of Culture
& factors of culture variability.

जितने मानव समूह होंगे उतनी ही संस्कृतियाँ भी होनी चाहिए। संस्कृति किसी शब्द, जन समूह अथवा ऐतिहासिक काल की अपनी विशिष्टता है। इसी लिए हम भारत की, चीन की अथवा इंग्लैंड की संस्कृति की बात करते हैं।

प्रश्न पैदा होता है कि संस्कृति में परिवर्तनशीलता variability क्यों होती है। कहा जाता है कि जीवन जीने सीधे-सादे जीवन के भिन्न-भिन्न जन समूहों में भिन्न-भिन्न विचार, कल्पनाएँ और मत प्रचलित हैं। कुछ वर्गों में एक विवाह का प्रचलन है तो अन्य वर्गों में बहुपत्नि या बहुपति विवाह का रिवाज है। कुछ समाजों में पति विवाह के बाद पत्नी के घर आकर रहने लगता है। कुछ लोगों में सम्मिलित विवाह का रिवाज है तो कुछ जातियों में रिवाज के अनुसार नवविवाहित जोड़े अपना घर अलग बना लेते हैं।

कुछ लोगों में चुम्बन की प्रथा उनकी संस्कृति का अंग है और अन्य लोगों में यह पूर्णतया वर्जित है। कुछ लोग नंगे रहते हैं तो कुछ लोग सिर से पैर तक ढके रहते हैं।

Crow Indian लोग लड़ाकू होते हैं परन्तु एस्कीमो शान्तिप्रिय लोग होते हैं। कुछ जातियों में लड़ना पुरुषत्व की निशानी माना जाता है तो कुछ जातियों में इसे बुरी आदत मानती हैं।

भारत में अहिंसा महान उद्देश्य माना जाता है परन्तु रूस में हिंसा वहाँ की संस्कृति का अंग माना जाता है।

कुछ लोगों में स्त्रियाँ तथा पुरुष स्वतंत्रतापूर्वक सड़क पर मिल सकते हैं जबकि कुछ लोगों में स्त्रियों और पुरुषों का स्वच्छन्द मेल जोल को बहुत बुरा माना जाता है। अतः समाज की भिन्न-भिन्न लोगों में तथा कभी-कभी एक ही जाति में अलग-अलग ऐतिहासिक युगों में भी सांस्कृतिक व्यवहार सम्बन्धी विभिन्नताएँ तथा विषमताएँ दृष्टिगोचर होती हैं।

Factors of cultural variability :→

(1) Historical factors →

अधिकतर ऐतिहासिक घटनाएँ सांस्कृतिक परिवर्तन का कारण बताई जाती हैं। यह भी सम्भव है कि ऐसे अति प्राचीन रिवाज जिनके आरम्भ होने के समय का पता लगाना कठिन है व्यक्तिगत अथवा समूहगत आन्दोलन व्यवहार के फलस्वरूप ही उत्पन्न हुए हों। किसी व्यक्ति ने अज्ञात रूप से कोई विशेष कार्य किया, दूसरों ने उसकी नकल की और इस प्रकार नकल से ही छोटे-छोटे रिवाज बनकर बाद में संस्कृति का अंग बन गया हो।

(2) Geographical factors :→

भौगोलिक परिस्थिति के कारण भी कुछ सांस्कृतिक भिन्नता अथवा परिवर्तनशीलता आती होगी। भारतवर्ष में सापों की पूजा का कारण देश में सांपों की अधिक संख्या में होना हो सकता है। विवाह की तिथियाँ, खेती कटाई के मौसम तथा कृषि सम्बन्धि प्रवृत्तियों के अनुसार ही निश्चित की जाती है।

एस्कीमों लोग बर्फ (snow) का घर बनाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के Bushman कबीलों के लोग के घर ही नहीं होते। New Guinea के Manus लोग लकड़ी की बल्लियों को खोंसकर समुद्र में ले जाते हैं तथा उन बल्लियों पर अपने लकड़ी के घर बनाकर उनमें रहते हैं।

से स्कीमों लोग सील (Seal) नामक विशालकाय मछली पर निर्भर करते हैं, शातीत लोग अनाज खाते हैं। मिट्टी के बर्तन (Pottery) बनाने के लिए अच्छी किस्म की मिट्टी की आवश्यकता होती है। यूफ्रेट्स की घाटी (Euphrates valley) में पायी जाने वाली मिट्टी छोटे-छोटे ब्लाक बनाने के लिए बड़ी उपयुक्त थी जिन पर कीलाक्षर (cuniform) नामक लिखने की लिपि का विकास हुआ था। मिस्र में पाया जाता था यहाँ इसे कागज की तरह काम में लाया गया था। वास्तव में प्रकृति ही संस्कृति के प्रयोग के लिए पदार्थ तथा उपकरण प्रस्तुत करती है।

Ⓒ Human Adoptability →

मानव जीवन के अपने आपको भिन्न-भिन्न प्रकार के अवस्थाओं के अनुसार ढाल लेने के गुण से भी संस्कृति में परिवर्तनशीलता आ जाती है। मानव जीवन परिवर्तनशील तथा अस्थिर होने के कारण भी सांस्कृतिक परिवर्तनशीलता होती है। व्यक्ति ने सदा ही अपने आपको अपने आसपास के प्राकृतिक पर्यावरण तथा अपने वर्ग और साथियों के अनुसार ढाला है। इस एकीकरण के फलस्वरूप एक ही जाति अथवा देश के लोगों में भिन्न-भिन्न ऐतिहासिक युगों के सांस्कृतिक व्यवहार में पर्याप्त परिवर्तन नजर आता है।

Ⓓ Inventions and Discoveries →

आविष्कारों तथा खोजों तथा कालनीत से भी सांस्कृतिक परिवर्तनशीलता आती है। संस्कृति की उत्पत्ति आविष्कार से ही होती है। आविष्कारों तथा खोजों द्वारा ही संस्कृति में परिवर्तनशीलता आती है। सामाजिक परिवर्तन लाने वाले प्राकृतिक तत्त्व भी हमारे रीति-रिवाजों, विश्वासों, तथा भावनाओं पर अपना

प्रभाव डालते हैं जभी कभी विजेता एवं आविष्कार हमारी सांस्कृतिक परम्पराओं को बहुत प्रभावित करते हैं। आविष्कार भी सांस्कृतिक आवश्यकताओं का ही परिणाम होते हैं। युद्ध को भी संस्कृति का जन्मदाता कहा जा सकता है। नये स्थान की विजय ने वहाँ की संस्कृति को बदलवा दिया।

(E) Individual accentricities →

कभी-कभी व्यक्ति जन्य विशिष्टता तथा व्यक्तिगत असाधारणताएं भी सांस्कृतिक व्यवहार को प्रभावित करती है। एक व्यक्ति विशेष की विशिष्टता के कारण ही 'गाँधी टोपी' हमारी संस्कृति का अंग बन गयी है।

(F) Economic and political factors →

कभी-कभी व्यक्ति द्वारा ग्रहण कर लिये गये कार्य की पृष्ठभूमि में किसी औपनिवेशिक व्यवहार के विरुद्ध क्रांति की भावना अथवा कुछ आर्थिक या राजनैतिक महत्व भी हो सकता है। भारत के मुसलमानों में फौजी टोपी के स्थान पर जिन्नाह टोपी पहनने के कारण आर्थिक एवं देश की राजनैतिक परिस्थितियाँ दोनों ही थी। खादी के प्रचार का कारण भी आर्थिक महत्व ही है।

———— X ————